



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैनिक भारत देश हमारा

दिनांक 30.06.2021 **पृष्ठ संख्या** --

कॉलम

--

Wednesday 30 June , 2021

हरियाणा

(५) दैनिक भारत देश हमारा करनाल बुधवार 30 जून, 2021

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रो. बी.आर

हिसार, 29 जून (मनोहरन शर्मा) :

चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा समताव भूमिगत जल संरक्षण भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा देना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में छोटी में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि दलालार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर पहुंच भी रहे हैं। इसलिए फसलों में विश्वविद्यालय का आइन होते हैं जैसे कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा सही से देखभाल कर सके। प्रोफेसर डॉ. प्रशुभन भद्राम ने कूलपति का अंकित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों तक विश्वविद्यालय की किया और वहां के वैज्ञानिकों से वी.आर. काम्बोज ने किसानों से म्बागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कर्त्त्वों की जानकारी दी।



की जानकारी पहुंचाना उनका ऐतिहासिक गतिविधियों का जायजा लिया। को रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय कर्जे बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से उन्हें अंकलाइन परीक्षा केंद्र का द्वारा सिफारिश किए गए आहुति किया कि वे ज्यादा से ज्यादा निरीक्षण किया और कैलेज के कोटाइशकों का भी प्रयोग करें। किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व सीदौरकारण व तकनीकी नवाचार उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें पर काय करने के लिए प्रेरित किया। वी.सी.ए. है और इसके लिए किसान नवीनातम जानकारियों से अवगत इस अवसर पर महाविद्यालय के गन्य सरकार की योजना मेरा पानी कराएं। साथ ही समय-समय पर प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंचार, डॉ. भैरवी विजामत का साध उड़ रहे हैं। किसानों के लिए जगलकाता विजिक आर.एस. गहवाल, डॉ. मानिंद मिह भाष्य ही उन्होंने किसानों से भान की आयोजित कर उन्हें फसलों की समय भी पीछूद रहे।

सीधी विजाई करने का भी आहुति पर विजाई, कठाई व कडाई की समय-समय पर किसानों के किया। उन्होंने किसानों को भान की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह सीधी विजाई के बाद फसल में आने के लिए जगलकाता विजिक, आसपास गोवीं समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह दें।

पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गोवीं समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह दें। कूलपति ने कहा कि वैज्ञानिक वाले खालीलालारी से निपटने के लिए जारी करते हुए लेकर खारपत्रवालालारी के प्रयोग की जानकारी दें। इस अवसर : कूलपति ने कहा कि वैज्ञानिक वाले खालीलालारी से निपटने के लिए जारी करते हुए कूलपति ने ताकि किसान अपनी फसल की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के इन्हाँ वैज्ञानिकों ने वैज्ञानिक वाले खालीलालारी से निपटने के लिए जारी करते हुए कूलपति ने ताकि किसान अपनी फसल की सलाह दी।



चौथारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अजीत समाचार

दिनांक

30.06.2021

पुष्ट संख्या

कॉलम

-- --

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन हेतु आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 जून (ऐक्यांश) : चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी. आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ प्रगतियों में अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिकाल जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को अधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विषय प्रश्नों पर कृषि विद्यान केंद्र कुलपति में लेंगे में जल संग्रहण विधि पर अध्येतित एक कार्यक्रम के द्वारा अध्यक्ष किया। उन्होंने कहा कि लगातार यूपी यूपय भूमि कम होनी जा रही है और नियोग भौमिका में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा अधुनिक तकनीकों की जानकारी व प्रौद्योगिकी पर्यावरण भी किसानों लक्ष में ली जानी चाही रही है। इसलिए फसलों से ऊर्जा प्रैदान करने के लिए किसानों को कानूनी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विद्यान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का अहमता होते हैं और किसानों लक्ष विश्वविद्यालय की अधुनिक तकनीकों वे उत्पत्ति कियोंगे की जानकारी पर्यावरण उनका वैज्ञानिक फल बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से अहमता किया कि वे जल से जलद किसानों को कृषि



कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी. आर. काम्बोज सम्बोधित करते हुए। विद्यान केंद्रों वे विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराए। साथ ही सम्पर्क-सम्पर्क पर किसानों के लिए जागरूकता शिक्षिक आधारित कर उन्हें फसलों की सम्पर्क पर कियाई, कर्टई व कार्डों की अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसरा पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गवाई के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि विश्वविद्यालय बीमा का भी दीए किया और यहां के वैज्ञानिकों से संबल हुए। उन्होंने अनिलाहन फीस के द्वारा जा परिवर्तन किया और कृषिकर्ता के भीतरीकरण वे तकनीकों नवाचार पर कार्य उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसरा पर मत्तविद्यालय के प्रभारी डॉ. पी.एस. पंचार, डॉ. अर.एस. गढ़वाल, डॉ. मानिंद मिंह भी भीड़ गए।

जल संरक्षण विषय पर आधारित कार्यक्रम में दोहरे कुलपति

जानकारी है। इस दीर्घाव उन्नीसवें केंद्र में पौधारोपण भी किया।

सम्पर्क-सम्पर्क पर किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह : कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक सम्पर्क-सम्पर्क पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते हैं ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। प्रोफेसर वी. आर. काम्बोज ने किसानों से भी अहमता किया कि वे जल से जलद किसानों को कृषि



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआरडब्लिंग	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : बी.आर. काम्बोज

जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोले कुलपति

एचआरडब्लिंग न्यूज़

जलाशायी और जल संरक्षण एवं विनियोग के कुलपति बोलेना जूनी विश्वविद्यालय के एकांकीक विभागों में भाग करने वाले एवं सीमित संसाधनों के साथ जलसभी से आधुनिक उत्पादन तकनीक का एक खूबी चर गया है। इसके अलावा जलसभी जूनी विभाग से भर रहा है।

इसके लिए विद्युती की अनुप्रयोग संसाधनों का सहारा लिया गया है। वे विद्युती जूनी विभाग विडु कुरुक्षेत्र में सेवा में जल संरक्षण विषय पर अध्योग्यता एवं कार्यक्रम के द्वारा जारी किए गये हैं। उन्होंने बता कि लोक संरक्षण एवं जलसभी की विविधता में एक विशेषज्ञता है। उन्होंने बता कि लोक संरक्षण एवं जलसभी को सभी सेवाओं का एक अंग भी है।



काम्बोज के द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा किया गया घोषणा।

विभाग करने के लिए विद्युती जूनी विभाग जलसभी का एकांकीक विभाग के बाबत महाविद्यालय के एक विभाग है। उन्होंने जूनी विभाग के द्वारा विभागों से बता कि वे विश्वविद्यालय का लोक संरक्षण एवं जलसभी की विविधता में अवलोकन करते हैं। सबसे ही विवरण जलसभी के विभागों ने जल संरक्षण एवं विनियोग का उन्नत विवरण दी है और उन्होंने उन्हें विभागों से अलगन लिया है।

जलद से जल संरक्षण को जूनी विभाग के द्वारा विश्वविद्यालय के लोक संरक्षण एवं जलसभी की विविधता में जल के विभाग के द्वारा ही विश्वविद्यालय के जल संरक्षण एवं जलसभी की विविधता में अवलोकन करते हैं। सबसे ही विवरण जलसभी के विभागों ने जल संरक्षण एवं विनियोग का उन्नत विवरण दी है और उन्होंने उन्हें विभागों से अलगन लिया है।

जल-जलसभा का विवरण के लिए जूनी विभागों का विवरण दिया जाएगा। जूनी विभाग ने जल संरक्षण एवं जलसभा का विवरण दिया जाएगा। जल संरक्षण एवं जलसभा को विवरण में जल संरक्षण एवं जलसभा की विविधता में जल संरक्षण एवं जलसभा का विवरण दिया जाएगा। जल संरक्षण एवं जलसभा की विविधता में जल संरक्षण एवं जलसभा का विवरण दिया जाएगा। जल संरक्षण एवं जलसभा की विविधता में जल संरक्षण एवं जलसभा का विवरण दिया जाएगा। जल संरक्षण एवं जलसभा की विविधता में जल संरक्षण एवं जलसभा का विवरण दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय



समाचार पत्र का नाम
हैलो हिसार

दिनांक पृष्ठ संख्या
30.06.2021 --

कॉलम
--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज



हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनीती बन गया है। इसके अलावा लगतार भूमिगत जल संसर्भीटी भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खोली में जल संरक्षण विषय पर

आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ज्ञान किए। उन्होंने कहा कि समाजात्मक कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर भौमिकम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों को जानकारी व भौमिकम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच रहे हैं। इसलिए फसलों में उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के

वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होता है और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उत्पादन किसी की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आव्यान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर विजाह, कटाई व कढाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया। समय-समय पर किसानों के लिए जारी करे वैज्ञानिक सलाह।

जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोले कुलपति

कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आव्यान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कोटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान गृज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का साध उठा रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छार	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती : कुलपति

हिसार/29 जून/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ आर काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी पट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेतों में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर भौमिकम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व भौमिकम संबंधी पूर्वानुभाव भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत

करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि ये विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किसीं की जानकारी पहुंचाना उनके वैज्ञानिक फल बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आल्यान किया कि ये ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर विजार्द, कटाई व कटाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें। प्रोफेसर काम्बोज ने किसानों से भी

आल्यान किया कि ये बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए नए कौटुम्बकां का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की गोंग है और इसके लिए किसान याज्ञ सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का साथ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से यान की सीधी विजाई करने का भी आल्यान किया। उन्होंने किसानों को यान की सीधी विजाई के बाद फसल में आने वाले खरपतवारों से निपटने के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह लेकर खरपतवारनाशी के प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के इच्छावाले डॉ. प्रशुमन भट्टाचार ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में जल रहे अनुसंधान कर्त्त्व की जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस पंचार, डॉ. आरएस गुरुवाल, डॉ. यानिन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

समस्त हरियाणा न्यूज़

दिनांक

29.06.2021

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

सीमित संसाधनों से अधिक फसल उत्पादन हासिल करना एक चुनौती : प्रो. काम्बोज

कुलपति बोले, अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा व्यापक भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना चाहेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कृषिकोश में सेली में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि स्थानान्तर कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और नियंत्र धीमम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों को जानकारी ये धीमम यंत्रों की पूर्णतुम्पन भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उत्थित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को



काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइडा होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों ये उपर किसी की जानकारी पहुंचाना उनका नितिक फल बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आहुति किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को



पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही में देखभाल कर सके। प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने किसानों से भी आहुति किया कि वे बीमारियों की गोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा यिफारिश किए गए जीर्णनाशकों का ही प्रयोग करें।

कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रशुभन भट्टाचार्य ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में बत रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंचार, डॉ. आर.एम. गढ़वाल, डॉ. मानिंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज़	30.06.2021	--	--

आधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी: प्रो.काम्बोज

पल पल न्यूज़: हिसार, 29 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा



आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों में ऊचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों

के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व ऊत किसी की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आहार किया कि वे ज्यादा से ज्यादा भी मौजूद रहें।

किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए ज्ञानकृति शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर विज्ञाएँ, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्हें केंद्र में पौष्टिकण भी किया। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जरूरी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पवार, डॉ. आर.एस. गढवाल, डॉ. मानिदि सिंह भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आवार	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : डॉ. कमलेश

Share



उत्पादन विकास पर अतिरिक्त कारबाह की बढ़ी दुर्दशी

दोस्रा

प्रत्याग्रह विकास के लिए इस दोष के लिए अतिरिक्त कारबाह की बढ़ी दुर्दशी। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं।

प्रत्याग्रह विकास के लिए इस दोष के लिए अतिरिक्त कारबाह की बढ़ी दुर्दशी। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं।

प्रत्याग्रह विकास के लिए अतिरिक्त कारबाह की बढ़ी दुर्दशी।

प्रत्याग्रह विकास के लिए अतिरिक्त कारबाह की बढ़ी दुर्दशी। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं। इसका अभियान एक विविध विषयों पर आधारित है, जिनमें से कई विशेष विषयों पर आधारित हैं।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सार्थी	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : बी.आर.
कामबोज़

विषय संक्षेप : भारत सार्थी पत्रकालीन संस्करण का इस विषय का सारांश है।



बी.आर.कामबोज़ ने प्राक्तिक भाषण में कहा कुछ ऐसी

विषय संक्षेप : भारत सार्थी पत्रकालीन संस्करण का इस विषय का सारांश है।





चौंबरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन हेतु आधुनिक तकनीकों का सहारा ज़रूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 जून (देवानंद) : एक्सप्री चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भी अह. विज्ञानों ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती जा रहा है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल संकट भी बढ़ रहा है। इसके लिए हिसार की आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। वे विज्ञान उन्हें बताएं विज्ञान केंद्र कृषकशेष में जैव ग्रन्थालय विषय पर आधिकारित एक कार्यक्रम के द्वारा ज्ञान खोल दिये। उन्होंने कहा कि स्थानातार कृषि विज्ञान भूमि कम होती जा रही है और निरंतर भौमिक में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी जैवविज्ञान संबंधी पूर्वविज्ञान भी विज्ञानों का महत्वपूर्ण भूमिका से नहीं जूँच पा रहे हैं। इससे फसलों से उत्पादन पैदाकार हासिल करने के लिए विज्ञानों को कामयी बदलते करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का अहमता होते हैं और विज्ञानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उत्पादनिकों की जानकारी पहुँचाना उनका नैतिक पर्याय बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से अहमान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा विज्ञानों को कृषि



कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अ.र. काम्बोज सम्मोहित करते हुए। विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अपश्रृंगत कराया। समय ही समय-समय पर विज्ञानों के लिए जागरूकता शिक्षित आधिकारित कर उन्हें फसलों की समय पर विजार्ह कराई व कराई की अनुष्ठान जारी की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के विज्ञानिक, आसपास गवाओं के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि विश्वविद्यालय वौल का भी दीरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से कृपका हुए। उन्होंने अन्वेषण करने के लिए वैज्ञानिक सलाह भी विज्ञानों के लिए जारी करने वाले तकिया विज्ञान अपनी फसल की सही दैरेखाल कर सके। प्रोफेसर भी अह. विज्ञानों पर विज्ञानों से भी अद्वितीय किया कि वे

जल संरक्षण विषय पर आवेदित कार्यक्रम में बोते कुलपति

जानकारी हैं। इस दीराम उन्होंने केंद्र में पैधारोपण भी किया।

समय-समय पर विज्ञानों के लिए जारी जैव वैज्ञानिक सलाह : कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी विज्ञानों के लिए जारी करने वाले तकिया विज्ञान अपनी फसल की सही दैरेखाल कर सके। प्रोफेसर भी अह. विज्ञानों पर विज्ञानों से भी अद्वितीय किया कि वे



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय



समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

हिन्दुस्तान समाचार

29.06.2021

--

--

प्रिया: संभित बंगले के ज्ञान अविष्ट अध्यात्म के लिए आनंदित गुरुजी का बधार अंडे : श. बन्दी



00-00-000 - 000-00

ज्ञान अविष्ट अध्यात्म के लिए आनंदित गुरुजी का बधार अंडे :

श्री. डॉ विजय चौधरी गुरु विश्वविद्यालय के विभागीय अधिकारी व अध्यात्म विभाग के विभागीय अधिकारी हैं। वे इसी अवसरे में एक विशेष विभागीय अधिकारी के रूप में आनंदित गुरुजी का बधार अंडे कर रहे हैं।

गुरुजी के द्वारा बधार का अंडे विभागीय अधिकारी के रूप में आनंदित गुरुजी का बधार अंडे कर रहे हैं।

गुरुजी का द्वारा बधार का अंडे विभागीय अधिकारी के रूप में आनंदित गुरुजी का बधार अंडे कर रहे हैं।

गुरुजी का द्वारा बधार का अंडे विभागीय अधिकारी के रूप में आनंदित गुरुजी का बधार अंडे कर रहे हैं। गुरुजी का द्वारा बधार का अंडे विभागीय अधिकारी के रूप में आनंदित गुरुजी का बधार अंडे कर रहे हैं। गुरुजी का द्वारा बधार का अंडे विभागीय अधिकारी के रूप में आनंदित गुरुजी का बधार अंडे कर रहे हैं।

गुरुजी का द्वारा बधार का अंडे विभागीय अधिकारी के रूप में आनंदित गुरुजी का बधार अंडे कर रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
वेलकम इंडिया

दिनांक 29.06.2021 **पृष्ठ संख्या** --

कॉलम
--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी: काम्बोज

लोककम इंडिया
हिसार / हाईसी। औंगरे फूल मिहनाई चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपती डॉ प्रिया वी. अर. वार्ष्योजन ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन रहा है। इसके अलावा लगातार न्यूशेवट जल संग्रहीकरण भी चाह रहा है।

इसके लिए विद्यार्थी की आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना चाहिए जब विद्यार्थीने कृषि विज्ञान के दृष्टिकोण से संसाधनों के लिए जलसंकटकारी विकास करने के लिए विद्यार्थी को जापी योग्यता करनी पड़ती है।



पढ़ने का रहे हैं। इसीलिए फसलों से उत्पादनकारी विकास करने के लिए विद्यार्थी को जापी योग्यता करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान के दृष्टिकोण से जल संकटकारी विकास करने के लिए जलसंकटकारी विकास आयोजित कर उठाए फसलों की समस्या पर विज्ञान, कटाई व कर्जाई की जलसंकटी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र वैज्ञानिक संगठनों की आधुनिक तकनीकों व उनका विवरण की जलसंकटी पूर्णतया उनका वैज्ञानिक फैलाव बनाया है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आज्ञान विज्ञान कि वे अधिक साधन द्वारा विद्यार्थी ने कृषि

विज्ञान के लिए जारी जारी रहे ताकि विद्यार्थी अपनी फसलों की सही ओर देख सकता कर सकें। उन्होंने यह भी आहुति किया कि वे वैज्ञानिकों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थीने विज्ञान कोटनालकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संकटकारी समय की मात्रा है और इसके लिए विद्यार्थी जल संकटकारी विकास में योग्यता प्राप्त करनी चाही विद्यार्थी का साथ उठा रहे हैं। जल ही उन्होंने विद्यार्थी से जल की गोली विज्ञान करने का भी आहुति किया।

उन्होंने विद्यार्थी को जल की गोली विज्ञान के बाद फसल में अपने जाने सुरक्षाकारी से विद्यार्थी के लिए जल-साधन पर वैज्ञानिक सलाह देकर संरक्षणात्मकी के प्रयोग की सलाह दी।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

सत्यजय टाइम्स

दिनांक पृष्ठ संख्या

29.06.2021

कॉलम

--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए¹ आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रोफेसर

हावी, 29 जून, सत्यजय टाइम्स/समयांक जारी। भौतिक काष्ठ मिल दैसिया कृषि विश्वविद्यालय के कुर्सियों प्रेसिडेंट थे। और काम्प्यूटर ने कहा कि योग्यता संकाळनों के साथ फलात्मक एवं अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन रहा है। इसके अलावा लकड़ा भूमिका जल संरक्षण की ओर भी खट रहा है। इसके लिए किसानों को अधुनिक तकनीकों का सहारा देना चाहिए। ने विवाद उत्तरी कृषि विज्ञान विभाग के कुर्सियों में जल संरक्षण विभाग का अधिकारी एवं वर्क्षाचार्य के द्वायान जताया गया।

उत्तरी वह कि लकड़ा भूमि नीपुण जूम बन देती रह गई है और नियम बीमां वे घोषित हो गए हैं। इसके अलावा अधुनिक तकनीकों की उपलब्धी वे योग्यता संवर्धन के लिये उपयुक्त हैं। और नीपुण जूम वर्षों के लिए उत्तरी कृषि विज्ञान विभाग के कैम्पसों में विकास करने के लिए विभागों की वर्तमान वर्तमान एवं अनेक विभागों को जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है। इसलिए फलात्मक एवं लकड़ा भूमि को उत्पादन करने के लिए विभागों की वर्तमान वर्तमान एवं अनेक विभागों को जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान विभाग के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है।



आधुनिक तकनीकों वे उत्तरी कृषि विज्ञान की उत्पादनीयता बढ़ावा देना उत्तरी लैंड के लिए बहुत ज़रूरी है। उत्तरी कृषि विज्ञान में अद्भुत विवाद कि वे जूम के लिए उत्तरी रेजियन में कृषि विज्ञान विभागों को कृषि विज्ञान विभाग के लिए उत्तरी रेजियन में कृषि विज्ञान विभाग उत्तरी फलात्मक एवं लकड़ा भूमि से लैंडसाइट करने को विकास करने की ज़रूरत वही है। इसलिए फलात्मक एवं लकड़ा भूमि को उत्पादन करने की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान विभाग के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है।

विभागों के लिए जल की विद्युतिक संरक्षण एवं लैंडसाइट के लिए जल संरक्षण के लिए जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान विभाग के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान विभाग के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान विभाग के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है।

ये जाप के पांच जौ की विद्युत वह लैंड की है। साथ ही उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के लिए जल की ज़रूरत वही है।

उत्तरी अधिकारी पौड़े लैंड वह विद्युत विज्ञान और विज्ञान के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है। उत्तरी कृषि विज्ञान के कैम्पसों में जल संरक्षण करने की ज़रूरत वही है।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
समाचार क्र्यारी

दिनांक पृष्ठ संख्या
29.06.2021 --

कॉलम
--

नई दिल्ली

नई दिल्ली, मुकाब 30 अग 2021

03

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा।

लोक संपर्क / लोकी / लोकलोकी

सभी पात्र जैसे कृषीविद्यार्थी, कृषीविद्यार्थी के जूनियर विद्यार्थी एवं कृषी संबंधी विद्यार्थी जैसे विद्यार्थी ने जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।

यहां पर उल्लेख की गयी विवरणों का उल्लेख करते हैं कि जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।

यहां पर उल्लेख की गयी विवरणों का उल्लेख करते हैं कि जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।

यहां पर उल्लेख की गयी विवरणों का उल्लेख करते हैं कि जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।



संसाधनों की सीमितता के लिए अधिक उत्पादन के लिए कृषीविद्यार्थी ने जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है। यहां पर उल्लेख की गयी विवरणों का उल्लेख करते हैं कि जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।

यहां पर उल्लेख की गयी विवरणों का उल्लेख करते हैं कि जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।

यहां पर उल्लेख की गयी विवरणों का उल्लेख करते हैं कि जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।

यहां पर उल्लेख की गयी विवरणों का उल्लेख करते हैं कि जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।

यहां पर उल्लेख की गयी विवरणों का उल्लेख करते हैं कि जून 2021 के अंत तक एक विषय का विवरण किया है औ इसकी विवरण का विवरण नहीं किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२०१२ के लिए	३०.६.२१	२	१-२

‘अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीक जरूरी’

हिसार (निस) जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योग्यरी वरण शिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा भूमिगत जल स्तर श्री लगातार घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। प्रो. काम्बोज ने कहा कि लगातार कृषि योन्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उत्पादन पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभरते लोक	३०.६.२१	२	१-२

'आधुनिक तकनीक को अपनाएं किसान'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी



घट रहा है। इसलिए खेती के लिए किसानों को आधुनिक तकनीक को अपनाना होगा। यह बात उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने वैज्ञानिकों से आत्मान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम ज्ञानकारियों से अवगत कराएं। व्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रैनिक जागरूका	३०.६.२१	३	७-८

अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीक जरूरी



कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में आगतुकों में खेती में तकनीकों की जानकारी देते एवं प्रयोग के कुलपति प्रो. वी.आर. कांबोज। छाण्य

जागरण संवादाता, हिसार : सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. कांबोज ने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने विज्ञानियों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है।

किसानों के लिए जारी करें विज्ञानी सलाह

विज्ञानी समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें। कुलपति ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। कृषि विज्ञान केंद्र के इंवार्ज डा. प्रद्युमन भट्टाचार ने केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दैरा किया। उन्होंने आनलाइन परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और कालेज के सौंदर्यकरण पर कार्य के लिए प्रेरित किया। मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. पी.एस. पंवार, डा. आर.एस. गढवाल, डा. मानिंद्र सिंह भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५१८८६८८८८८८	३०.६.२१	२	३-७

भूमिगत जल स्तर घट रहा है, इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा: वीसी

कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वीसी ने रखे विचार

भारत न्यूज़ | हिसार

सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा।

ये विचार कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एचपीयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती हैं। उन्होंने कृषि विज्ञान



जल संरक्षण कार्यक्रम में बोलते वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उत्तर किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर

उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

वीसी ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों

का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युमन भट्टाचार्य ने कूलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कूलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से रुबरू होते हुए कॉलेज की गतिविधियों का जावजा लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंचार, डॉ. आर.एस. गढवाल, डॉ. मानिंद्र सिंह भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अटल हिंद	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

अटल हिंद संवाददाता

हमें। नीभरे भाग में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बुलेटिन प्रॉफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ कामलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा समाज भूमिका जल संरक्षण भी एक रोड है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र एक्स्प्रेस में शेतों में जल संरक्षण विषय पर अपेक्षित एक कार्यक्रम के दौरान कहा किए।

उन्होंने कहा कि सहारा कृषि योग्य भूमि कम शेतों जा रही है और निरंतर गैसों में परिवर्तन जा रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जनसभी व नीसार संकेतों पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसीलए कामलों से दृष्टिपोषणार्थी संस्करण करने के लिए किसानों को



करनारे सहारा करनी पड़ती है।

उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि ये विश्वविद्यालय का अहमता होती है और किसानों तक विश्वविद्यालय की आर्थिक तकनीकों व उत्तम किसिमों की जानकारी पहुंचना उत्तम नीतिक चर्चा बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आहुति किया कि ये ज्ञान से ज्ञान किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जननारियों से अवगत करायें।